IMPORTANT NOTICE / सूचना

Value Added Course

Notice No-Q1 dated 24/04/2026

1- This is to inform all students of **UG First Year** that the **Value Added Course – Bharat Bodh (Understanding India)** is **compulsory** for all.

यह सूचित किया जाता है कि **स्नातक प्रथम वर्ष (UG First Year)** के सभी विद्यार्थियों के लिए **Value Added Course – भारत बोध (Understanding India)** अनिवार्य है।

2- **Examination Details / परीक्षा विवरण:**

- **Maximum Marks / कुल अंक:** 100
- **Minimum Passing marks-**35
- **Duration / समय:** 2 Hours

3- **Question Paper Pattern / प्रश्न पत्र का प्रारूप:**

I. **Very Short Answer Questions (अति लघु उत्तरीय प्रश्न) (50 Words)**
   - 03 Questions × 04 Marks each

II. **Short Answer Questions (लघु उत्तरीय प्रश्न) (200 Words)**
   - 04 Questions × 12 Marks each

III. **Long Answer Questions (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (500 Words)**
   - 02 Questions × 20 Marks each

Syllabus / पाठ्यक्रम: पाठ्यक्रम इसके साथ संलग्न है।

The syllabus is attached herewith.

4- All students are instructed to take this course seriously and prepare accordingly.

सभी विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे इस पाठ्यक्रम को गंभीरता से लें एवं उसी अनुसार तैयारी करें।

Controller of Examination
Govt. Kamla Raja Girls Post-Graduate
Autonomous College, Gwalior (M.P.)-474001

Controller of Examination

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: स्नातक प्रथम वर्ष		कक्षा: बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी./बी.एच.एससी./ बी.सी.ए./बी.बी.ए. (प्रथम वर्ष)	सत्र- 2025 - 26
विषय: Value Added Course (VAC)			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
२	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारत बोध (Understanding India)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)	VAC	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	कक्षा 12 वी उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद, 1. भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक स्वरूप की मूलभूत समझ विकसित करना। 2. भारतीय शिक्षा पद्धति, ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति छात्रों में संवेदनशीलता उत्पन्न करना। 3. भारत की स्वतंत्रता संग्राम, लोकतांत्रिक विकास और वैश्विक भूमिका को समझने में सहायता करना। 4. संविधान में निहित दायित्वों एवं अधिकारों की जानकारी देकर छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनाना।	
	क्रेडिट मान	2	
7	कुल अंक	100	

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): घंटे कुल व्याख्यान - 30 घंटे		
ईकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक विरासत	06

Asharya

	• सिन्धु, वैदिक, और शास्त्रीय काल की विशेषताएँ • सह-अस्तित्व और बहुलता की भारतीय अवधारणा • सांस्कृतिक प्रतीक: धर्म, स्थापत्य, संगीत, नाट्य, लोकाचार • 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सूत्रों की आधुनिक प्रासंगिकता **गतिविधियाँ:** • 'लोक से संवाद' कार्यक्रम - परिवार या समुदाय के किसी बुजुर्ग से पारंपरिक जीवन-मूल्य एवं ज्ञान पर चर्चा, और उसका लेखा-जोखा। **असाइनमेंट विषय:** • अपने गाँव या नगर की किसी स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर/पर्व/लोककलाओं का लघु लेख चित्रों सहित तैयार करें (500 शब्द)।	
II	**भारतीय संविधान और नागरिक दायित्व** • वैदिक राजधर्म और आधुनिक संविधान • मूल अधिकार और कर्तव्य: धर्म-कर्तव्य-नैतिकता • युवा नागरिक और लोकतांत्रिक भागीदारी • शिक्षा का राष्ट्रनिर्माण में योगदान **गतिविधियाँ:** • **'जननीति संवाद'** - छात्रों के बीच *मॉक संविधान सभा* या *युवा संसद* का आयोजन, जिसमें भारत के मूल मूल्य प्रस्तुत करें। **असाइनमेंट विषय:** • किसी एक मौलिक अधिकार और उससे जुड़े कर्तव्य का वैदिक/शास्त्रीय दृष्टिकोण से विश्लेषण करें।	06

	• भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका पर 'स्वराज से सुराज तक' दृष्टिकोण में निबंध (400 शब्द)।	
III	**भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षा दृष्टिकोण** • भारतीय ज्ञान के स्रोत: वेद, उपनिषद, दर्शन, स्मृति, लोक-साहित्य • गुरुकुल परंपरा: शिष्य-केंद्रित शिक्षण, वाचिक परंपरा और स्मृति आधारित अधिगम • शिक्षा का उद्देश्य: आत्मोत्कर्ष एवं लोकसंग्रह • शिक्षक की भूमिका: 'आचार्य देवो भवः', चरित्र निर्माण, सामाजिक पुनर्निर्माण में योगदान **गतिविधियाँ:** • ज्ञानवार्ता' गोष्ठी - शास्त्रीय शिक्षा पर आधारित शिक्षण पद्धति (उदाहरण: संवाद, स्मृति आधारित अभ्यास) का डेमो प्रस्तुत करना। • श्लोक-गायन और उसका अर्थार्थ संवाद - विशेष रूप से शिक्षावल्ली (तैत्तिरीयोपनिषद्), गीता आदि से। **असाइनमेंट विषय:** • किसी वैदिक ऋचा या उपनिषद वाक्य के आधार पर भारतीय शिक्षा के उद्देश्य का विवेचन करें। • अपने विद्यालय/ग्राम/परिवार में देखे गए गुरु-शिष्य परंपरा या जीवन-परमार्थ के उदाहरण पर लघु लेख।	06
IV	**भारत का जीवन-दर्शन और सतत भविष्य की अवधारणा** • भारतीय जीवन-दृष्टि: पुरुषार्थ चतुष्टय, आश्रम व्यवस्था और कर्तव्य आधारित नैतिकता	06

Ashok Gupta

	• प्रकृति के साथ सामंजस्य: यज्ञ, पंचमहाभूत, ऋतुचक्र और पर्यावरण संतुलन • भारतीय अर्थदर्शन: अर्थशास्त्र, स्वदेशी, श्रम-संस्कृति और लोक-उद्यम • सतत विकास और पर्यावरणीय न्याय की भारतीय अवधारणा **गतिविधियाँ:** • 'सादा जीवन उच्च विचार' विषय पर पोस्टर या स्लोगन लेखन • भारतीय पर्यावरणीय परंपराओं (जैसे यज्ञ, वृक्ष-पूजन, नदी महोत्सव आदि) पर समूह प्रस्तुति **असाइनमेंट विषय:** • पंचमहाभूत और भारतीय जीवन-दृष्टि" • स्वदेशी से 'आत्मनिर्भर भारत' तक की यात्रा	
V	**Unit 5: समकालीन भारत और वैश्विक भूमिका** • स्वतंत्रता संग्राम में धार्मिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक नेतृत्व की भूमिका • भारत का योगदान: अंतरिक्ष विज्ञान, योग, कूटनीति, शांति दर्शन • 'आत्मनिर्भर भारत': परंपरा और नवाचार का समन्वय • वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत: 'सॉफ्ट पावर', बहुध्रुवीय विश्व में भूमिका **गतिविधियाँ:** • छात्रों द्वारा नीति-विकल्प प्रस्तुत करना (Indian Model vs Western Model)	06

	• "भारत@2047" विषय पर निबंध **असाइनमेंट विषय:** ◆ "ग्लोबल भारत और सांस्कृतिक नेतृत्व की संभावना" ◆ "तकनीक और नैतिकता: भारतीय समन्वय की खोज"	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. काटदरे, इंदुमति। *भारतीय शिक्षा: संकल्पना एवं स्वरूप।* पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट, अहमदाबाद।
2. कुमार, कृष्ण। *प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति।* श्री सरस्वती सदन, दिल्ली।
3. सलूजा, चंद किरण। (2023)। *शिक्षा: भारतीय परिप्रेक्ष्य।* संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
4. कपूर, कपिल एवं सिंह, अवधेश कुमार (संपादक)। (2005)। *Indian Knowledge Systems* (खंड 1-2)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला; डी.के. प्रिंटवर्ल्ड, नई दिल्ली।
5. स्वरूप, देवेंद्र। *संस्कृति एक: नाम-रूप अनेक।* प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. स्वरूप, देवेंद्र (संपादक)। (2010)। *राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन का इतिहास (हिंदी संस्करण)।* प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण (संपादक)। (2023)। *राष्ट्र, धर्म और संस्कृति (निबंध संचयन)।* प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मिश्र, रामेश्वर 'पंकज'। (2024)। *अद्वितीय समाजशास्त्र।* प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. पाण्डेय, ओम प्रकाश (संपादक)। (2023)। *भारत वैभव।* राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), नई दिल्ली।
10. सुब्बारायप्पा, बी.वी. । *भारतीय विज्ञान परंपरा।* राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), नई दिल्ली।

ई स्रोत

https://www.youtube.com/watch?v=VUOyldPx8h4

https://www.youtube.com/watch?v=1livkUGjeFA&list=PLfGFNxUDX0ehoIQwKZ2ekqaxY3PDtoDq-&index=4

https://www.youtube.com/watch?v=SuMnvLxc9ic

https://www.youtube.com/watch?v=iPuRqFImoSc

https://www.youtube.com/watch?v=YZQeUq5d48Q&list=PL_a1TI5CC9RG8wPaNNDOk6VjSdhe0KsHE&index=6

https://www.youtube.com/watch?v=9PLs_N6WbxE

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100 **न्यूनतम अंक 35**

विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 100

आकलन: **विश्वविद्यालयीन परीक्षा** **समय: 02 घंटे**	**अनुभाग (अ) पांच लघु प्रश्न** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	कुल अंक: 100

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Ashakya
डॉ. पुष्पा शाक्य
प्राध्यापक
अध्यक्ष, अध्ययन परिषद
दे.अ.वि. विद्यालय इन्दौर